भारत के गौरव

पुसर्ला वेंकट सिंधु (पी.वी. सिंधु)

वॉलीबॉल के प्रसिद्ध खिलाड़ी रह चुके माता-पिता की रुचि से भिन्न बैडमिंटन के क्षेत्र में ख्याति अर्जित करने वाली पी.वी. सिंधु का जन्म हैदराबाद में 5 जुलाई, 1995 को हुआ था। उन्होंने अपने आदर्श पुलेला गोपीचंद को ही अपना कोच बनाया तथा 'गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी' से जुड़ गईं। 2012 में 'एशिया यूथ अंडर-19 चैंपियनशिप' जीतने वाली पी.वी. सिंधु भारत की नेशनल चैंपियन भी रह चुकी हैं। 2016 के रियो ओलंपिक में महिला एकल बैडमिंटन का रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पी.वी. सिंधु आज सभी भारतीयों के लिए गर्व का विषय बन चुकी हैं। उन्होंने 2022 के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के महिला एकल फाइनल में कनाडा की वर्ल्ड नंबर 13 मिशेल को दो बार करारी शिकस्त दी तथा दुनिया की नंबर 7 शटलर प्ली को लगातार दो बार हराकर पी.वी. सिंधु ने पहला गेम 21-15 से जीता।

देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार 'राजीव गाँधी खेल रत्न' से पुरस्कृत होने वाली पी.वी. सिंधु को 'पद्मश्री' से सम्मानित किया जा चुका है। अत्यंत परिश्रमी तथा दृढ़ संकल्प एवं आत्मविश्वास की धनी पी.वी. सिंधु आज लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं।

साक्षी मलिक

हरियाणा के रोहतक में 3 सितंबर, 1992 को जन्मी साक्षी मलिक ने ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में संपन्न ओलंपिक 2016 में महिला वर्ग में 58 किलोग्राम भार वर्ग की फ्री स्टाइल कुश्ती में कजाकिस्तान की महिला पहलवान को हराकर और कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने बर्मिंघम, इंग्लैंड में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में महिला 62 किलोभार वर्ग के फाइनल मुकाबले में कनाडा की एना गोडिनेज गोंजालेज को बाय फॉल (By Fall) के द्वारा 4-4 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम करके भारत का नाम रोशन किया।

दिल्ली परिवहन निगम में बस कंडक्टर के रूप में नियुक्त पिता एवं आँगनवाड़ी कार्यकत्री रही माँ की संतान साक्षी मलिक ने अपना बचपन अनेक कठिनाइयों एवं संघर्षों के साथ बिताया। साधारण परिवार में पली-बढ़ीं साक्षी मलिक के कोच ईश्वर दहिया हैं। उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ उन्हें देश के प्रमुख खेल पुरस्कार 'राजीव गाँधी खेल रत्न' से सम्मानित किया है। साक्षी मलिक आज अभावों के बीच अपने दम पर आगे बढ़ने वाले युवाओं के लिए संघर्ष एवं सफलता की प्रतीक बन चुकी हैं।